शिव तंत्र प्रयोग - 7

प्रथम यह पीडीऍफ़ अपने दोस्तों को शेयर करे

यह प्रयोग तारीख 06 ऑगस्ट और रविवार को दिन में किसी भी वक्त करे

शिव तंत्र प्रयोग का आठवा भाग कल अर्थात रविवार को ही दिया जायेगा

प्रथम आप भगवान शिवजी के **त्रयंबकेश्वर स्वरूप** का मानसिक ध्यान करें

आज घी एवं शहद से अभिषेक करना हे

प्रथम सम्पूर्ण पात्र में '**घी एवं शहद एक ही पात्र में मिश्रित करे**' भर कर पात्र को चारों और से कुमकुम का तिलक करें

बाद में **घी एवं शहद** से भरे पात्र को **"ॐ धन्वन्तरये नमः"** का जाप करते हुए पात्र पर मौली बाधें (मोली यानी सूती धागा जो पंडित लोग कलाई पर बांधते हे)

बाद में पंचाक्षरी मंत्र ॐ नम: शिवाय" का जाप करते हुए फूलों की कुछ पंखुडियां अर्पित करें

बाद में शिवलिंग पर पात्र से **भरे हुए द्रव्य** की पतली धार बनाते हुए अभिषेक करें

साथ में अभिषेक करेत हुए **ॐ ह्रोम जुम सह त्रयम्बकाय स्वाहा** मंत्र का जाप करें - यह मंत्र के जप ज्यादा से ज्यादा करे

फिर शिवलिंग को जल से साफ़ कर वस्त्र से अच्छी तरह से पौंछ कर साफ करें

बाद में हो शके तो शिवलिंग पर चन्दन का लेप अर्पण करे

आखिर में पुराणोक्त रुद्राभिषेक स्तोत्र पाठ के तिन - सात या ग्यारह पाठ करे - ग्यारह पाठ करना उत्तम माना गया हे - स्तोत्र पाठ भी यहाँ आगे दिया गया हे

ॐ सर्वदेवेभ्यो नम :

ॐ नमो भवाय शर्वाय रुद्राय वरदाय च ।

पशूनां पतये नित्यमुग्राय च कपर्दिने ॥1॥

महादेवाय भीमाय त्र्यम्बकाय च शान्तये ।

ईशानाय मखघ्नाय नमोऽस्त्वन्धकघातिने ॥2॥

कुमारगुरवे तुभ्यं नीलग्रीवाय वेधसे ।

पिनाकिने हिवष्याय सत्याय विभवे सदा ॥3॥

विलोहिताय धूम्राय व्याधायानपराजिते ।

नित्यनीलिशखण्डाय शूलिने दिव्यचक्षुषे ॥4॥

हन्त्रे गोप्त्रे त्रिनेत्राय व्याधाय वसुरेतसे ।

अचिन्त्यायाम्बिकाभर्त्रे सर्वदेवस्तुताय च ॥5॥

वृषध्वजाय मुण्डाय जिटने ब्रह्मचारिणे ।

तप्यमानाय सिलले ब्रह्मण्यायाजिताय च ॥6॥

विश्वात्मने विश्वसृजे विश्वमावृत्य तिष्ठते ।

नमो नमस्ते सेव्याय भूतानां प्रभवे सदा ॥7॥

ब्रह्मवक्त्राय सर्वाय शंकराय शिवाय च ।

नमोऽस्तु वाचस्पतये प्रजानां पतये नम: ॥8॥

नमो विश्वस्य पतये महतां पतये नम: ।

नम: सहस्रिशरसे सहस्रभुजमृत्यवे ।

सहस्रनेत्रपादाय नमोऽसंख्येयकर्मणे॥9॥

नमो हिरण्यवर्णाय हिरण्यकवचाय च ।

भक्तानुकिम्पने नित्यं सिध्यतां नो वर: प्रभो ॥10॥

एवं स्तुत्वा महादेवं वासुदेव: सहार्जुन: ।

प्रसादयामास भवं तदा ह्यस्त्रोपलब्धये ॥11॥

॥ इति शुभम् ॥

मुद्रा ज्योतिष कार्यालय

श्री ऋषि पंड्या - ज्योतिष विशारद - गांधीनगर - गुजरात

वोट्सएप फॉर एस्ट्रो टिप्स - 08485964964

मोबाइल फॉर कोलिंग - 09824162904

ज्योतिष वास्तु से जुड़े तमाम कार्य के लिए संपर्क करे

हरी ॐ तत्सत